

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Midnapore, West Bengal



PROPOSED CURRICULUM&SYLLABUS (DRAFT) OF

**B.A. (HONOURS / HONOURS WITH RESERACH)
MAJOR IN HINDI**

4-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME

(w.e.f. Academic Year 2023-2024)

Based on

**Curriculum & Credit Framework for Undergraduate Programmes
(CCFUP), 2023& NEP, 2020**

VIDYASAGAR UNIVERSITY
BACHELOR OF ARTS (HONOURS/ HONOURS WITH RESEARCH) MAJOR IN HINDI
(under CCFUP, 2023)

Level	YR.	SEM	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks			
								CA	ESE	TOTAL	
B.A. (Hons./ Hons. with Research)	4 th	VII	SEMESTER-VII								
			Major-14	MUCHMJ14	T: कथेत्तर साहित्य		4	3-1-0	15	60	75
			Major-15	MUCHMJ15	T: प्रेमचंद		4	3-1-0	15	60	75
			CRM	MUCHCRM	T: शोध प्रकाशन एवं प्रकाशन नैतिकता		4	3-1-0	15	60	75
			Major Elective-03	MUCHDSE03	T: लोक साहित्य		4	3-1-0	15	60	75
			Minor-07 (Disc.-I)	MUCMIN07	T: हिंदी कहानी (To be taken by the other Discipline)		4	3-1-0	15	60	75
		Semester-VII Total					20				375
		VIII	SEMESTER-VIII								
			Major-16	MUCHMJ16	T: हिन्दी आलोचना		4	3-1-0	15	60	75
			Major Elective-04	MUCHDSE04	T: हिन्दी सिनेमा		4	3-1-0	15	60	75
			Major Elective-05	MUCHDSE05	T: कबीर	FOR HONOURS STUDENTS	4	3-1-0	15	60	75
			Major Elective-06	MUCHDSE06	T: हिन्दी पत्रकारिता		4	3-1-0	15	60	75
			Research	MUCHRD	DISSERTATION:	FOR HONOURS WITH RESEARCH STUDENTS	8	0-0-8	-	150	150
			Minor-8 (Disc.-II)	PHIMIN08	P: आधुनिक हिंदी कविता (To be taken by the other Discipline)		4	3-1-0	15	60	75
		Semester-VIII Total					20				375
		YEAR-4					40				750
		To be awarded Bachelor of Arts (Honours / Honours with Research) Major in Hindi					166	Marks (Year: I+II+III+IV)			3075

MJ = Major, MI = Minor Course, DSE = Discipline Specific Elective Course, CA= Continuous Assessment, ESE= End Semester Examination,
T = Theory, P= Practical, L-T-P = Lecture-Tutorial-Practical

VIDYASAGAR UNIVERSITY, PASCHIM MIDNAPORE, WEST BENGAL

SEMESTER-VII

MAJOR (MJ)

MJ-14: कथेत्तर साहित्य

Credits 04 (Full Marks: 75)

MJ-14T: कथेत्तर साहित्य (Theory)

Credits 04

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के विभिन्न गद्य-रूपों से परिचित हो सकेंगे ।
- इस पत्र के द्वारा विद्यार्थी अपने रचनात्मक कौशल को समृद्ध करने में सफल होंगे ।
- आधुनिक गद्य विधाओं में विशेषज्ञता अर्जित कर सकेंगे ।

Course contents:

इकाई – I

(क) निबंध : भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है? – भारतेन्दु

(ख) कविता क्या है – रामचंद्र शुक्ल

विविध गद्य रूप :

इकाई – II

(क) आत्मकथा: मन्नू भण्डारी - एक कहानी यह भी (निर्धारित अंश)

(ख) जीवनी : विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा (निर्धारित अंश)

इकाई- III

(क) यात्रा साहित्य : मेरी तिब्बत-यात्रा : राहुल सांकृत्यायन

(ख) संस्मरण : महादेवी वर्मा : पथ के साथी -

- सुभद्रा कुमारी चौहान
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इकाई – IV

(क) व्यंग्य : हरिशंकर परसाई –

- भोलाराम का जीव
- अकाल उत्सव

(ख) डायरी : मुक्तिबोध - एक साहित्यिक की डायरी

- एक लंबी कविता का अन्त
- डबरे पर सूरज का बिम्ब

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. कैलाशचंद्र भाटिया, रचना भाटिया - साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ
2. डॉ. रामचंद्र तिवारी - हिंदी का गद्य साहित्य
3. दयानिधि मिश्र (संपादक) - हिंदी का कथेतर गद्य परंपरा और प्रयोग
4. कैलाश चन्द्र भाटिया - हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ
5. अरुण प्रकाश - गद्य की पहचान
6. ओमनिश्चल - समकालीन हिंदी कविता ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
7. पंकज चतुर्वेदी - आत्मकथा की संस्कृति
8. मेहता यशोधरा एस. और चौहाण महारुद्रप्रताप सिंह वी. - आधुनिककालीन हिंदी गद्य साहित्य
9. बैजनाथ सिंहल - हिंदी की प्रमुख विधाएँ
10. पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश' - हिन्दी गद्यकाव्य
11. हरिशंकर दूबे - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य में व्यंग्य
12. मन्मथनलाल वर्मा - हिन्दी के रेखाचित्र

MJ-15: प्रेमचंद

Credits 04 (FM: 75)

MJ-15 T: प्रेमचंद

Credits 04

Course outcomes:

- प्रेमचंद के साहित्य के विविध पक्षों से परिचित हो सकेंगे।
- 'स्वाधीनता आंदोलन और प्रेमचंद का योगदान' विषय को ठीक से समझ सकेंगे।
- प्रेमचंद के साहित्य के माध्यम से उनकी भाषा-शैली का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- प्रेमचंद युगीन भारत को जानने-समझने का एक माध्यम भी होगा। फलस्वरूप वर्तमान भारत को
- और अधिक समृद्ध बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकेंगे।

Course contents:

इकाई -1 :

उपन्यास: रंगभूमि, गबन

इकाई-2 :

कहानियाँ: ईदगाह, ठाकुर का कुआँ, हिंसा परमो धर्मः, सद्गति, सवा सेर गेहूँ,
नमक का दारोगा, दो बैलों की कथा

इकाई -3 :

निबंध संग्रह: कुछ विचार (साहित्य का उद्देश्य)

इकाई- 4 :

नाटक: कर्बला

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. रामविलास शर्मा : प्रेमचंद और उनका युग
2. शिवकुमार मिश्र : प्रेमचंद की विरासत और गोदान
3. शंभुनाथ : प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन
4. अमृतराय : प्रेमचंद : कलम के सिपाही
5. कमल किशोर गोयनका : प्रेमचंद विश्वकोश
6. गंगा प्रसाद विमल : प्रेमचंद आज के संदर्भ में
7. राजेन्द्र यादव : प्रेमचंद की विरासत

COMPULSORY RESEARCH METHODOLOGY (CRM)

[for both Hons. and Hons. with Research students]

CRM: शोध प्रकाशन एवं प्रकाशन नैतिकता

Credits 04 (FM: 75)

CRM: शोध प्रकाशन एवं प्रकाशन नैतिकता (Theory)

Credits 04

Course contents:

1. अनुसन्धान की परिभाषा और शिक्षा में अनुसन्धान का महत्व
2. शोध के प्रकार और प्रविधियाँ
3. शोध प्रश्न और परिकल्पना
4. स्रोतों के प्रकार, विश्वसनीयता और उद्धरणों की प्रयोगविधियाँ
5. अनुसन्धान उद्धरण शैलियाँ – APA, MLA
6. तर्कों और साक्ष्यों का मूल्यांकन
7. साहित्यिक चोरी : समस्या और समाधान, शोध नैतिकता
8. अधीत सामग्री – एक अध्ययन
9. अनुसन्धान में कमियों की पहचान करना और स्रोतों का विश्लेषण करना पूर्ववर्ती शोध समीक्षा
10. संगणक की शोधकार्य में प्रयोग-प्रक्रिया, ई-बुक, ई-जर्नल आदि।

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

MAJOR ELECTIVE (DSE)

MAJOR ELECTIVE- 03

Major Elective -3: लोक साहित्य

Credits 04 (FM: 75)

MJ DSE-3T लोक साहित्य (Theory)

Credits 04

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत एम. ए. के विद्यार्थियों को लोकसाहित्य के इतिहास, संस्कृति, साहित्य और अन्य कलाओं से जुड़ने का अवसर देने का प्रयत्न है।
- यह पत्र विद्यार्थियों को लोक को जानने-समझने का अवसर प्रदान करता है।
- मुख्यधारा के समाज के निर्माण की प्रक्रिया में लोक-साहित्य और समाज की क्या भूमिका रही है? इन बिन्दुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना ही इस पत्र का लक्ष्य है।
- विद्यार्थी इस पत्र के जरिए लोक-साहित्य में विशेष ज्ञान प्राप्त करेंगे।

Course Content:

इकाई – I

- लोक : प्राचीन और आधुनिक अवधारणा
- लोकवृत्त : परिभाषा और क्षेत्र
- लोकवार्ता एवं लोकवार्ता के सहयोगी शास्त्र – नृविज्ञान, मिथक, पुरातत्व और इतिहास, समाजशास्त्र
- लोकसाहित्य : परिभाषा एवं विशेषताएँ
- लोकसाहित्य और लोकवार्ता

इकाई – II

- लोकसाहित्य का वर्गीकरण
- प्रमुख रूप : लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोक-नाट्य
- गौण रूप : लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ
- लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अंतर और अंतःसंबंध
- लोक साहित्य और लोकमानस
- लोक साहित्य और लोक संस्कृति का अंतर्संबंध

इकाई – III

- लोकगीत : परिभाषा और लक्षण
- लोकगीतों के विविध रूपों का परिचय
- लोकगाथा : परिभाषा और लक्षण

- प्रमुख लोकगाथाओं का परिचय
- लोककथा : परिभाषा और लक्षण
- लोककथाओं का वर्गीकरण, कथाभिप्राय, कथानक रूप, मिथक, परीकथाएँ, पशुपक्षी कथाएँ

इकाई – IV

- लोकनाटक : परिभाषा और लक्षण
- हिंदी की जनपदीय बोलियों के प्रमुख लोक नाटकों का संक्षिप्त परिचय
- निर्धारित पथ : लोकनाटक – बिदेसिया – भिखारी ठाकुर

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. कृष्णदेव उपाध्याय - लोक-संस्कृति की रूपरेखा
2. डॉ. परवीन निजाम अंसारी - लोक-साहित्य के विविध आयाम
3. रंजना शर्मा - लोक-साहित्य चिंतन के विविध आयाम
4. सं. रामविलास शर्मा - लोक-जागरण और हिंदी साहित्य
5. डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय - लोक-साहित्य का अध्ययन
6. डॉ. श्याम परमार - भारतीय लोक-साहित्य
7. दिनेश्वर प्रसाद - लोक-साहित्य और लोक संस्कृति
8. सुरेश गौतम - लोक साहित्य

MINOR (MI)

Minor -7: हिंदी कहानी

Credits 04 (FM: 75)

MI-7T: हिंदी कहानी (Theory)

Credits 04

Course Content:

चंद्रधर शर्मा गुलेरी	- उसने कहा था
प्रेमचंद	- कफन
जयशंकर प्रसाद	- पुरस्कार
जैनेंद्र	- एक गौ
फणीश्वर नाथ रेणु	- पंचलाइट
मोहन राकेश	- मलबे का मालिक
ऊषा प्रियंवदा	- वापसी
ओमप्रकाश बाल्मीकि	- सलाम
नासिरा शर्मा	- खुदा की वापसी

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. कहानी: नई कहानी - नामवर सिंह
2. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
3. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
4. हिन्दी कहानी: अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र
5. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
6. हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश

SEMESTER-VIII

MAJOR (M.J)

MJ-16: हिन्दी आलोचना

Credits 04 (Full Marks: 75)

MJ-16T: हिन्दी आलोचना

Credits 04

Course Outcome:

- हिन्दी आलोचना पत्र के अंतर्गत हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि, परंपरा, विकास और उसकी सामान्य प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को परिचित होने का अवसर दिया गया है।
- आलोचना के अध्ययन से विद्यार्थियों की आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास होगा।
- इसके अंतर्गत भारतेन्दु युग से लेकर उत्तर-आधुनिक काल के सभी विमर्शों से विद्यार्थियों को अवगत कराने का प्रयास है।
- इस पत्र के द्वारा विद्यार्थी रचनाओं की आलोचनात्मक-विश्लेषण की क्षमता अर्जित करेंगे।

Course Content:

इकाई- I

- (क) हिंदी आलोचना : स्वरूप एवं विकास
- (ख) हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियाँ : काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, प्रभाववादी, समाजशास्त्रीय, संरचनावादी, शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक

इकाई- II

- (क) भारतेन्दुयुगीन समीक्षा, द्विवेदीयुगीन समीक्षा, शुक्लयुगीन आलोचना, शुक्लोत्तरयुगीन समीक्षा

इकाई-III

- (क) रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी और नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना-दृष्टि

इकाई- IV

- (क) रामविलास शर्मा और नामवर सिंह की आलोचना-दृष्टि

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. नंदकिशोर नवल - हिंदी आलोचना का विकास
2. विश्वनाथ त्रिपाठी - हिंदी आलोचना
3. रामचंद्र तिवारी - हिंदी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार
4. मधुरेश - हिंदी आलोचना का विकास

5. रामविलास शर्मा - रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना
6. नामवर सिंह - इतिहास और आलोचना
7. नंदकिशोर नवल - हिंदी आलोचना का विकास
8. भारत यायावर - आलोचना के रचनापुरुष नामवर सिंह
9. निर्मला जैन - हिंदी आलोचना
10. दामोदर मिश्र - हिंदी आलोचना में अनुपस्थित

MAJOR ELECTIVE (DSE)

MAJOR ELECTIVE (DSE) - 04

हिन्दी सिनेमा

Major Elective (MJ DSE) -4T: हिन्दी सिनेमा

Credits 04 (Full Marks: 75)

Course Content:

इकाई – I

- सिनेमा का उद्भव और विकास, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारम्भिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानांतर सिनेमा, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा

इकाई – II

- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा की भाषा, निर्देशक, पटकथा, छायांकन, सिनेसंगीत, अभिनय और संपादक, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर

इकाई – II

- साहित्य और सिनेमा का अंतः संबंध , साहित्यिक कृतियों का फिल्मांकन

इकाई – II

- फिल्म समीक्षा:
 - (क) आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास
 - (ख) 1947 से 1970 : मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर
 - (ग) 1970 से 1990 : गर्म हवा, बाबी, शोले, आँधी
 - (घ) 1990 से अद्यतन : तारे जमीन पर, श्री इंडियट्स, दिलवाले दुल्हनियाँ ले जाएंगे, मुन्ना भाई एम.बी.एस, पान सिंह तोमर, मेरी कॉम

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. कुलदीप सिन्हा -फिल्म निर्देशन
2. मनमोहन चड्ढा -हिन्दी सिनेमा का इतिहास
3. विनोद भारद्वाज - सिनेमा : कल, आज कल
4. प्रह्लाद अग्रवाल - हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष

5. प्रताप सिंह - सिनेमा का जादुई सफ़र
6. हरीश कुमार - सिनेमा और साहित्य
7. 'वसुधा' पत्रिका - फिल्म विशेषांक
8. राही मासूम रजा - सिनेमा और संस्कृति
9. जगदीश्वर चतुर्वेदी - जनमाध्यम सैद्धांतिकी

MAJOR ELECTIVE- 05
[to be studied by Honours students only]

कबीर

Major Elective -5: कबीर

Credits 04(Full Marks: 75)

MJ DSE-5T: कबीर (Theory)

Credits 04

Course Content:

इकाई -I

- भक्ति आंदोलन और कबीर
- कबीर का जीवन वृत्त : मिथक और ऐतिहासिकता

इकाई – II

- कबीर की रचनाओं की विभिन्न पाठ-परम्पराएं और उनकी प्रमाणिकता
- कबीर की कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई – III

- कबीर ग्रंथवाली : पद

1. माया महाठगनी हम जानी 2. दुलहनी गाबहु मंगलचार 3. एक अचंभा देखा रे भाई
4. संतों भाई आई म्यान की आंधी रे 5. झगरा एक निबेरो राम 6. पंडित बाद बंदते झूठा
7. हम न मरें मरिहैं संसारा 8. निरगुण राम निरगुण राम जपहुं रे भाई 9. काजी कौन कतेब
10. झूठे तन कौ कहा खइये

- कबीर ग्रंथवाली : सखी

1. राम नाम लौ पटंतरे 2. पीछे लागा जाइ था, लोक बेद के साथि 3. गुरु गोविंद तौ एक है, दूजा यहू आकार 4. कबीर बादल प्रेम का, हम पर बरष्या आइ 5. यह तन जालौ मसि करों, लिखौ राम का नाउँ 6. अंषडियाँ झाई पड़ी, पंथ निहारि निहारि 7. समंदर लागी आगि, नदियाँ जलि कोयला भई 8. पारब्रह्म को तेज का, कैसा है अनमना 9. पाणि ही तैं हिम भया, हिम हवै गया बिलाइ 10. जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं 11. कबीरा देख्या एक अंग, महिमा कही न जाई 12. राम रसाइन प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल 13. हेरत हेरत हे सखी, रहया कबीर हिराइ बूँद समानी समद मैं, कत हेरी जाइ 14. इक दिन ऐसा होइगा, सब सूं पड़ें बिदोई राजा राणा छत्र पति, सावधान किन होई 15. कबीर कहा गरबियौ, इस जीवन की आस

इकाई – IV

- कबीर की विचारधारा : दार्शनिक, सामाजिक, धार्मिक, भक्तिपरक, साधनापरक

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी – कबीर, राजकमल प्रकाशन
2. विजेन्द्र स्नातक (संपा) – कबीर, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. पुरुषोत्तम अग्रवाल – अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय

MAJOR ELECTIVE- 06
[to be studied by Honours students only]

हिंदी पत्रकारिता

Major Elective -6: हिंदी पत्रकारिता

Credits 04(Full Marks: 75)

MJ DSE-6T: हिंदी पत्रकारिता (Theory)

Credits 04

Course Outcome:

- इस पत्र के अंतर्गत पत्रकारिता के इतिहास और उसके स्वरूप से विद्यार्थी परिचय हो सकेंगे।
- इस पत्र द्वारा विद्यार्थी को पत्रकारिता के विविध रूपों, सम्पादन कला के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी पत्रकारिता के बदलते स्वरूप का अवलोकन, विश्लेषण और मूल्यांकन कर अपनी क्षमता का विकास भी कर सकेंगे।
- इसके अध्ययन से विद्यार्थी मीडिया संबंधी रोजगार से जुड़ सकेंगे।

Course Content:

इकाई - I

- (क) पत्रकारिता : स्वरूप, महत्व, इतिहास
- (ख) हिंदी पत्रकारिता का उदय, विकास एवं प्रवृत्तियाँ
- (ग) भारतीय पत्रकारिता का उदय और हिंदी पत्रकारिता का आरंभ, भारतीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता: स्वातंत्र्य-संघर्ष, स्वतंत्रताकालीन हिंदी पत्रकारिता, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता

इकाई- II

- (क) पत्रकारिता का स्वरूप : पीत पत्रकारिता, प्रतिष्ठानी पत्रकारिता, स्वतंत्र पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई- III

- (क) पत्रकारिता के भेद : प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया, लघु पत्रिकाएँ

इकाई - IV:

- (क) समाचार के मूल तत्व, समाचार के प्रमुख स्रोत, संपादन कला, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. वेदप्रताप वैदिक – हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम
2. कृष्णबिहारी मिश्र – हिंदी पत्रकारिता

3. एस. के. दुबे – पत्रकारिता के नये आयाम
4. बंशीधर कुटीर – भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी पत्रकारिता
5. रचना भोला 'यमिनी' – हिंदी पत्रकारिता उद्भव और विकास
6. अर्जुन तिवारी – हिंदी पत्रकारिता का वृहत इतिहास
7. धीरेन्द्रनाथ सिंह – हिंदी पत्रकारिता : भारतेन्दु-पूर्व से छायावादोत्तर काल तक
8. पृथ्वीनाथ पाण्डेय – पत्रकारिता प्रवेश और प्रवृत्तियाँ
9. संतोष भारतीय – पत्रकारिता नए दौर, नए प्रतिमान
10. विनोद गोदरे – हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ
11. डॉ. हरिमोहन – समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला

PROJECT / DISSERTATION (RD)

[to be undertaken by students opting for and eligible for Hons. with Research]

DISSERTATION:

Credit: 8;

Full Marks: 150

Structure of the dissertation

Preliminary Pages

- Title Page: Includes name of the student, university, degree, and submission date.
- Certificate/Declaration: Signed statement of originality and supervisor's approval
- Abstract: A 250-350-word summary covering research problem, methodology, and core findings.
- Acknowledgements: To supervisors and others, if any.
- Table of Contents: Clear hierarchical mapping of chapters with page number
- List of Abbreviations: Specialized terms, if any

Introduction

- Background & Context: Situates the topic in historical or theoretical context.
- Research Problem & Objectives: The specific question or gap the research is addressing.
- Thesis Statement/Hypothesis: The core argument the dissertation intends to prove.
- Scope and Significance: Why the study matters.
- Literature Review & Theoretical Framework

Literature Review: Analyzes existing scholarly works to show the gap the study fills.

- Theoretical Framework: Identifies the philosophers, critics, or schools of thought shaping the analysis in the dissertation.

Methodology

- Describes *how* the research was conducted - Anyone or a combination of textual analysis/ archival research/ conducting interviews/ ethnographic/semi-ethno-graphic research involving both textual analysis and field visit etc.
- Thematic or Analytical Chapters

The Core Body: Usually 3 to 4 chapters focusing on the core concerns of the study.

- Structure: Each chapter introduces its specific theme, analyzes primary and secondary sources, and contributes to the overarching thesis.

Conclusion

- Summary & Synthesis: Recaps your main points without simply repeating them.

Final Verdict: Answers the research questions posed in the introduction.

Future Scope: Suggests how future scholars can build upon your work.

- Works Cited/ Reference, and/or Bibliography: A comprehensive list of all primary and secondary sources cited as per the latest MLA style.

Appendices: Transcripts, interview logs, or raw archival data, if any.

Marks distribution-

Sl. No	Particulars	Marks
1	Research Project / Dissertation Report	70
	▪ Proposal and Abstract (along with some keywords)	10
	▪ Literature Review & Theoretical Framework	10
	▪ Methodology and Research design	10
	▪ Thematic Analysis (Chapter-wise)	20
	▪ Report Quality	20
2	Seminar Presentation	30
3	Viva-Voce	50
Total		150

MINOR (MI)

Minor -8: आधुनिक हिंदी कविता

Credits 04 (FM: 75)

MI-8T: आधुनिक हिंदी कविता (Theory)

Credits 04

Course Content:

भारतेंदु हरिश्चंद्र	- निज भाषा उन्नति अहै
मैथिलीशरण गुप्त	- मनुष्यता, कैकेयी का अनुताप
जयशंकर प्रसाद	- हिमाद्री तुम श्रृंग से, बीती विभावरी जाग री
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	- भारती वंदना, भिक्षुक
नागार्जुन	- बादल को घिरते देखा है, चंदू मैंने सपना देखा
केदारनाथ अग्रवाल	- बसंती हवा
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय	- उड़ चल हासिल, नदी के द्वीप
रघुवीर सहाय	- हंसो हंसो जल्दी हंसो

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
2. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. आधुनिक कविता यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. नागार्जुन की कविता - अजय तिवारी
5. नई कविता और उसका मूल्यांकन - सुरेशचंद्र सहल
6. नागार्जुन: मूल्यांकन / पुनर्मूल्यांकन स. परमानन्द श्रीवास्तव